ऑस्टियो आर्थराइटिस के लक्षण, कारण और घरेलु आयुर्वेदिक दवा, जड़ी बूटी से इलाज

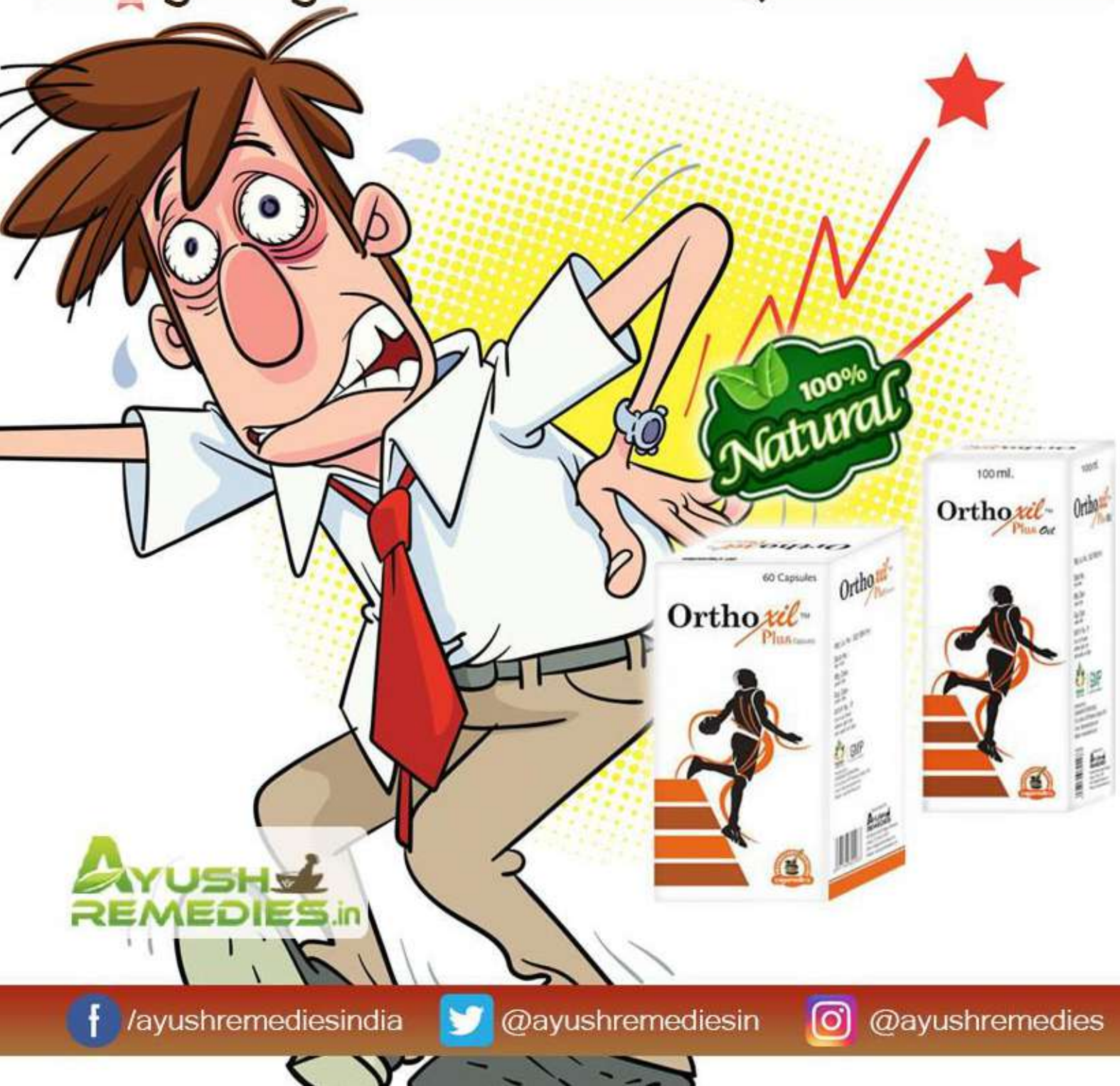

/ayushremediesindia @ayushremediesin @ayushremedies

ऑस्टियो आर्थराइटिस क्या है, लक्षण, कारण –

ऑस्टियो आर्थराइटिस वह रोग है जिसमे जोड़ो का धीरे-धीरे घिसना अथवा जोड़ो के कार्टिलेज का टूट जाना, इसे ऑस्टियो आर्थराइटिस कहते है जो आर्थराइटिस के रोग प्रकारो में से एक है | जब ऑस्टियो आर्थराइटिस होता है तब हड्डियों के जोड़ को सबसे ज्यादा नुकसान उनके रगड़ के कारण होता है जिसमे रोगी को जबरदस्त वाली पीड़ा उत्पन्न होती है |

ऑस्टियो आर्थराइटिस के लक्षण जैसे: अनियमित खाना खाने से मोटापा का आना, जोड़ो के दर्द का बढ़ते चले जाना, लम्बे समय तक एक ही जगह बैठने के बाद उठने में परेशानी का आना, चलने से जोड़ो में आवाज़ आना, मांसपेशियों का कमजोर होना और जोड़ो में विकार का आना | ये लक्षण अगर व्यक्ति को महसूस होने लगे तो समज लीजिये आप ऑस्टियो आर्थराइटिस रोग से ग्रस्त है |

असंतुलित आहार का खाना जिसके चलते वजन में बढ़ोतरी होती है और इसे ऑस्टियोआर्थराइटिस होने का खतरा भी बढ़ जाता है | किसी चोट के कारण जोड़ो को नुकसान हुआ हो तो ये भी कारण बन सकता है ऑस्टियोआर्थराइटिस होने का मर्द की तुलना में ऑस्टियोआर्थराइटिस महिलाओ में ज्यादा होने की शंका बनी रहती है |

बढ़ती उम्र और कामकाज के बाद कैल्शियम की कमी होने के कारण ये रोग महिलाओ में ज्यादा होता है | यह पारिवारिक रोग भी हो सकता है जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में आता हो | ऐसे कई कारण हो सकते है जिनसे ऑस्टियो आर्थराइटिस बढ़ता हो | संतुलित खान-पान ना केवल रोगो को रोकने में सक्षम रहते है, बल्कि इससे कई और रोगों को स्वाभाविक रूप से अच्छा करने की सम्पूर्ण क्षमता भी होती है। इन आहारों का सेवन के कारण शरीर में मौजूद यूरिक एसिड की मात्रा को कम करने में भी कारगर रहते है |

पौष्टिक आहार से तो मदद मिलेगी ही साथ ही रोगी को घरेलु इलाज में ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल को शामिल कर लेना चाहिए जो बना उन जड़ी बूटियों से जो दर्द को खत्म करने की कोशिश करता है |

ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल की सामग्री –

अरंड, अकरकरा, रसना, निर्गुन्डी, नागकेसर, पीपलामूल, हल्दी,अस्थिसंहार, लॉन्ग ऑयल, जायफल ऑयल, गंधपत्री ऑयल, गन्धपूर्ण ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, तारपीन ऑयल, कपूर ऑयल, अरंड ऑयल और बुलेलु ऑयल, एलोवेरा, रीगनी, केसर, नागाभस्म, अश्वगंधा, पीपलामूल, सुरंजन, गुग्गुल, रामयफल, स्वरण बंग भस्म गोदन्ती हरताल भस्म और चोपचीनी से निर्मित है |

भारत में ओर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल कैसे खरीदें?

आप भारत में प्रतिष्ठित ऑनलाइन हर्बल स्टोर जैसे आयुष रेमेडीज डॉट इन से ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थोंक्सिल प्लस ऑयल खरीद सकते हैं और वह भी भारतीय रुपयों में | इन हर्बल उपचारों को आप घर बैठे मंगवा सकते है |

भारत में ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थोंक्सिल प्लस ऑयल खरीदने के लिए ऑनलाइन भुगतान और साथ ही सीओडी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स विचारशील पैकेजिंग में उपलब्ध है | भारतीय ग्राहक इस हर्बल पूरक को 3 से 5 व्यावसायिक दिनों में सीधे अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सील प्लस कैप्सूल और ऑयल –

गठिया रोग के आयुर्वेदिक उपचार की अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट AyushRemedies.in पर जाये |